

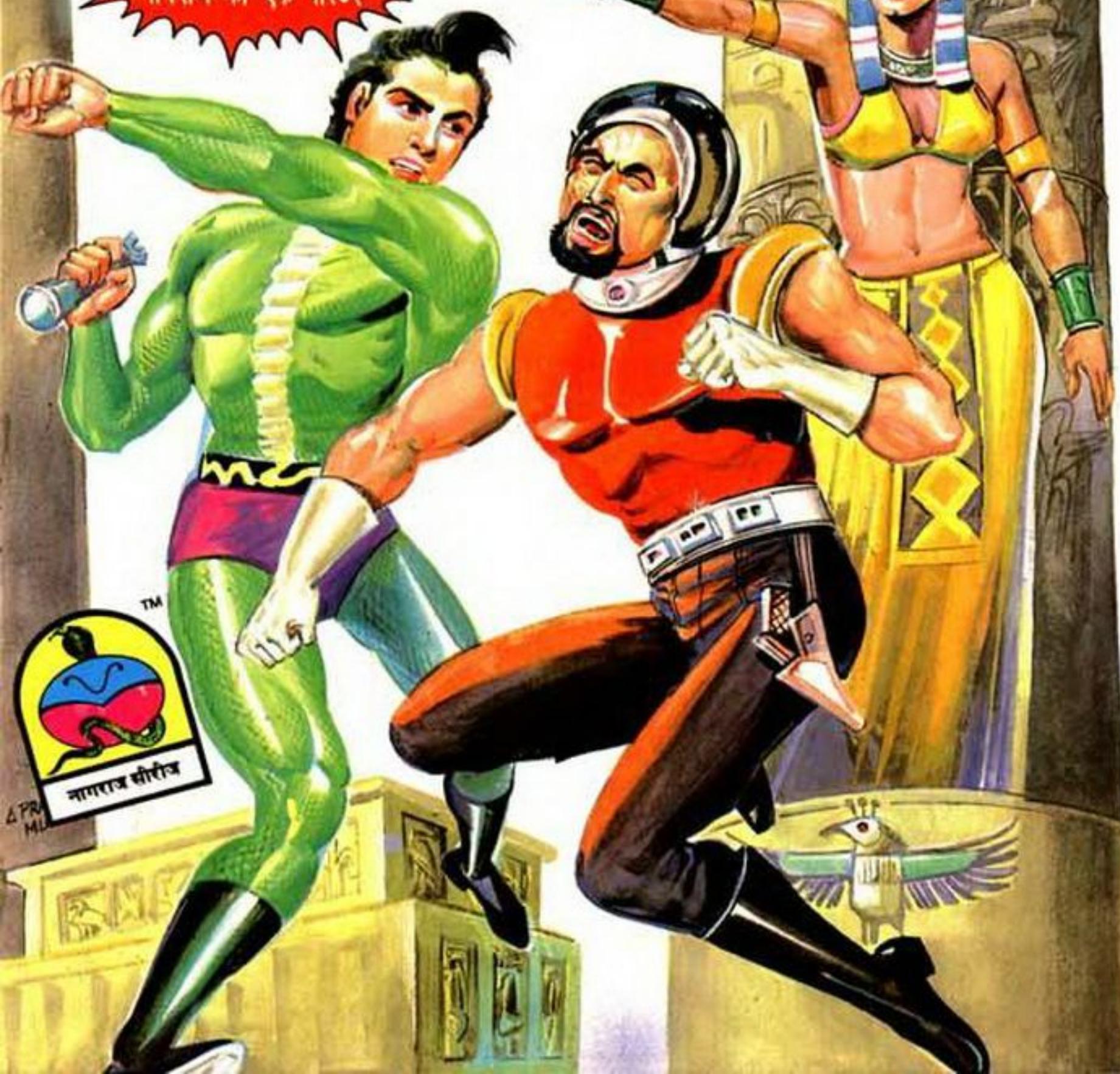
**राज**

कॉमिक्स

मूल्य 15.00 संख्या 390

# विश्वामित्रों की राजी नागराज

मुफ्त  
नागराज का एक पोस्टर



# नागराज और पिरामिडों की राती

लेखक: तत्त्वा कुमार वही  
सम्पादन: मनीष चंद्र बुप्त  
कल्पनिकेश्वर: प्रताप मुक्तीक  
चित्र: चन्दू  
मुफ्तेक्षण: उदय भास्कर

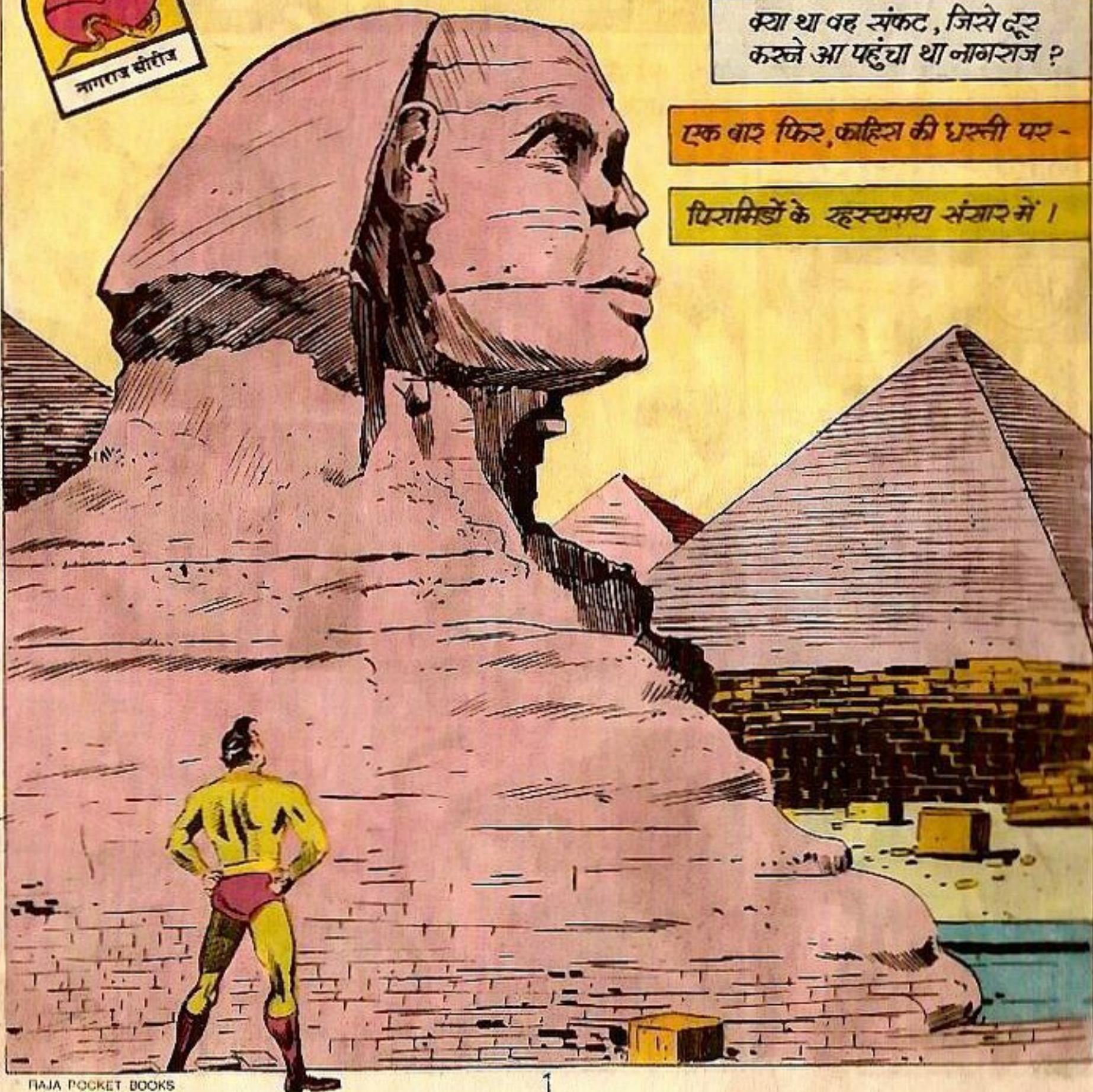


रहस्यमय पिरामिडों के द्वेष मिथ्या की शज़दानी,  
काहिस ! जहां आजकल मंडसर्या आएक अभूतपूर्व संकट !

क्या था वह संकट, जिसे दूर  
करने आ पहुंचा था नागराज ?

एक बार फिर, काहिस की धरती पर -

पिरामिडों के रहस्यमय संगार में ।



भारत - एवन फूड इंडस्ट्रीज लिमिटेड !! विआषरूप  
से बच्चों के लिए बच्ची पौर्णिक एवं अतिश्वादिष्ट  
डबलरोटी 'जेप्सी' के वितरण के लिए फैक्टरी से  
वाहर निकापा कम्पनी का वह ट्रक !!



और पप्पु केकशी पर मर्हीथी  
धम-

PAPPU BAKERY

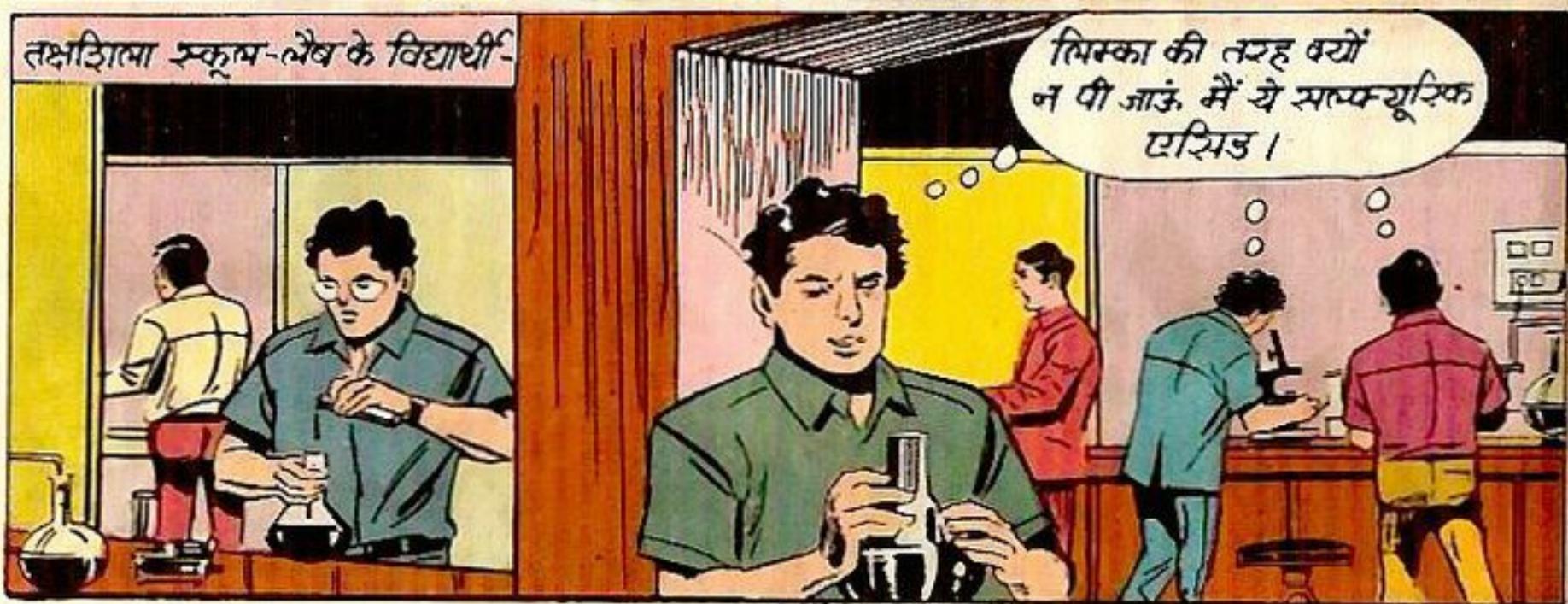


शिर्फ एक दिन पहले बाजार में  
आई 'जेप्सी' के दीवाले, ये बच्चे -



डांत!! डांत!! 'जेप्सी' का ट्रक  
आता ही होगा जेप्सी-फूड लिंक्स  
भोवो आ गयी जेप्सी!





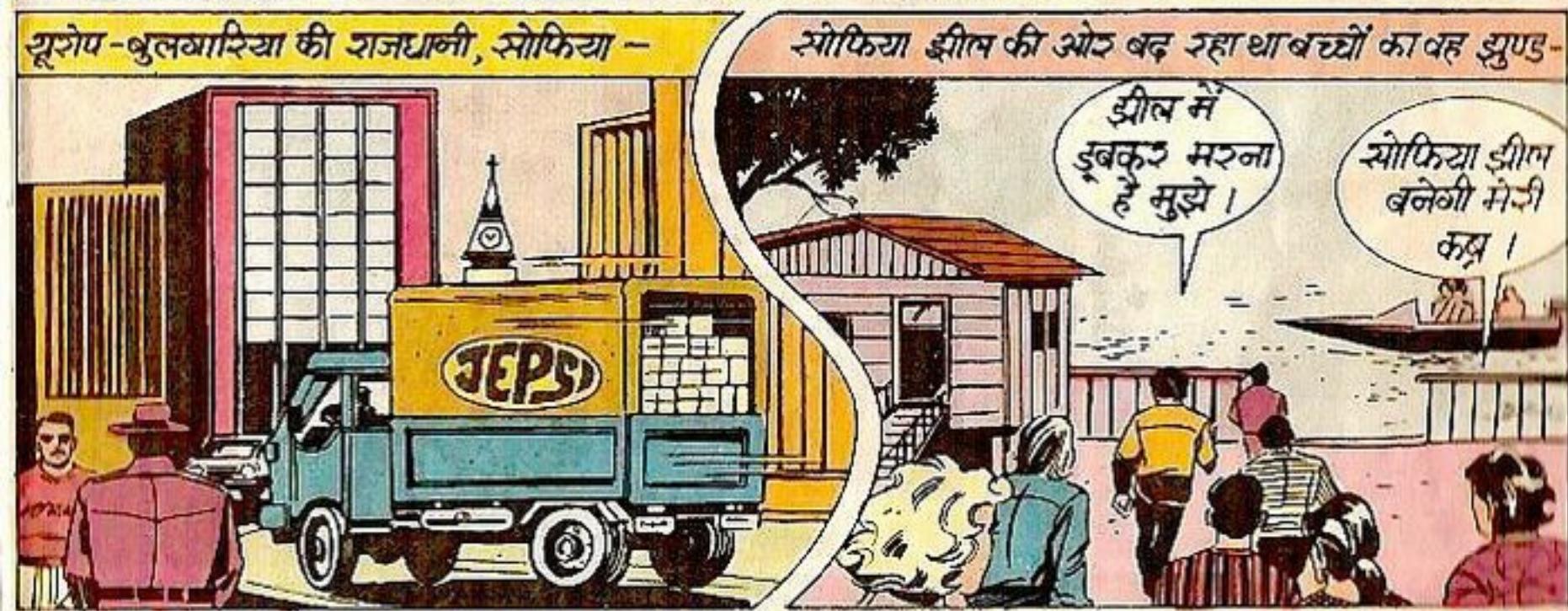
## नागराज और पिरामिडों की रानी

ओह तूफान मच गया लैब में। चीख पड़े लैब  
इंचार्ज सिस्टर गणेश -



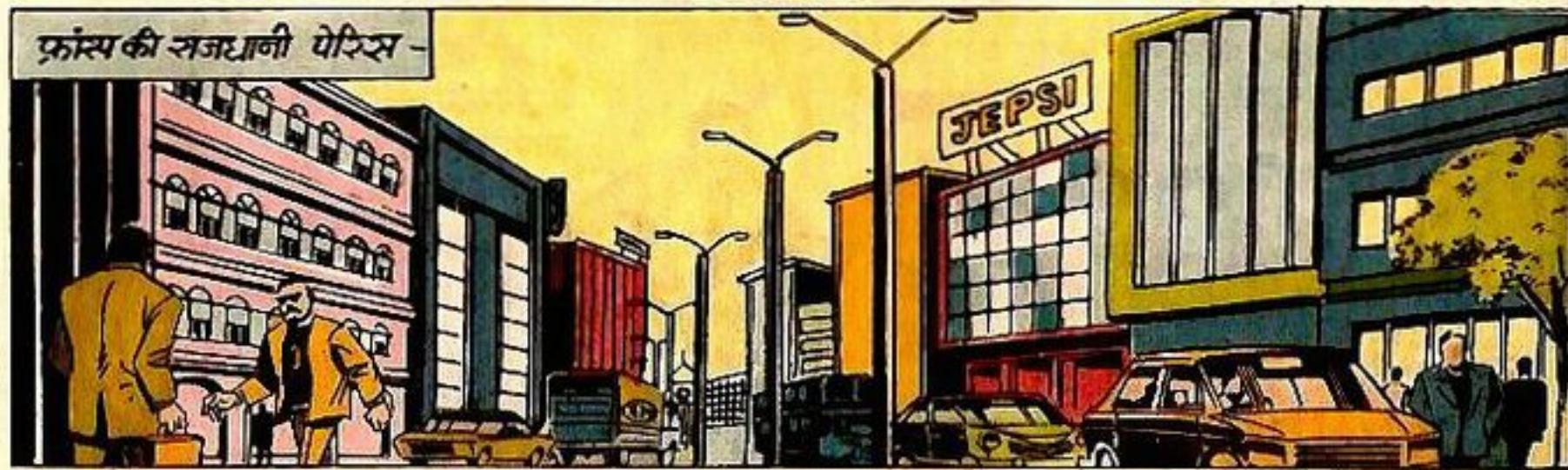
भास्त के कोजे-कोजे से आ रहे थे बच्चों  
दूरा आत्महत्या करने के अमायार।

शूलोप-बुलवारिया की शजदानी, सोफिया -

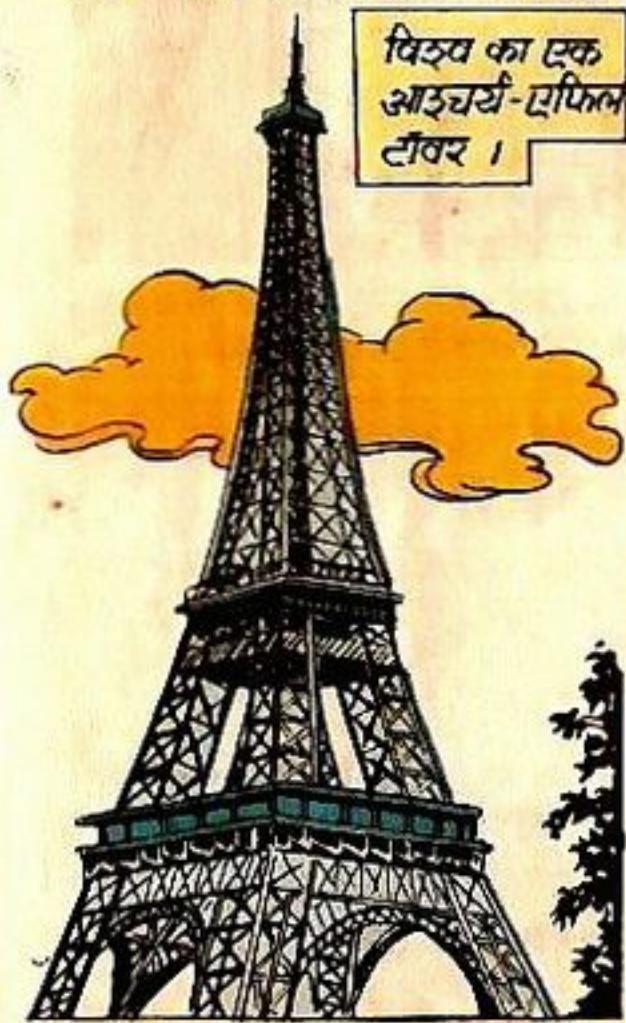


उफ! आत्महत्या करने का कैसा भूत  
सा अवाह था बच्चों पर!

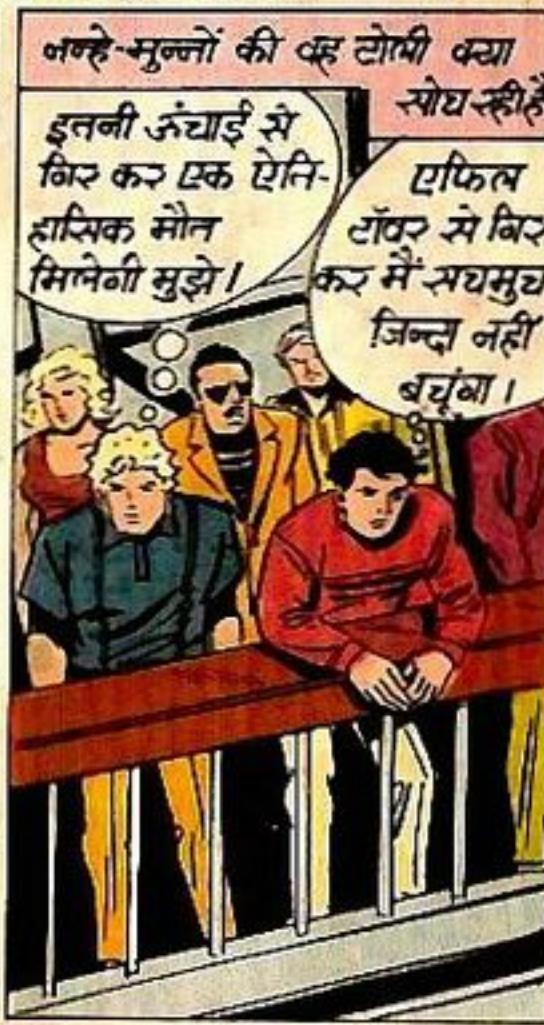




फ्रांस की लज़ायानी पेरिस -



विश्व का एक  
आउचर्य-एफिल  
टॉवर ।



ज़हे-मुज्जों की वह टोपी क्या सोधती हैं  
इतनी ऊँचाई से बिर कर एक ऐति-  
हासिक मौत मिलनेवाली मुझे।

एफिल टॉवर से बिर कर मैं सधमुद्य जिन्दा नहीं बचूंगा।

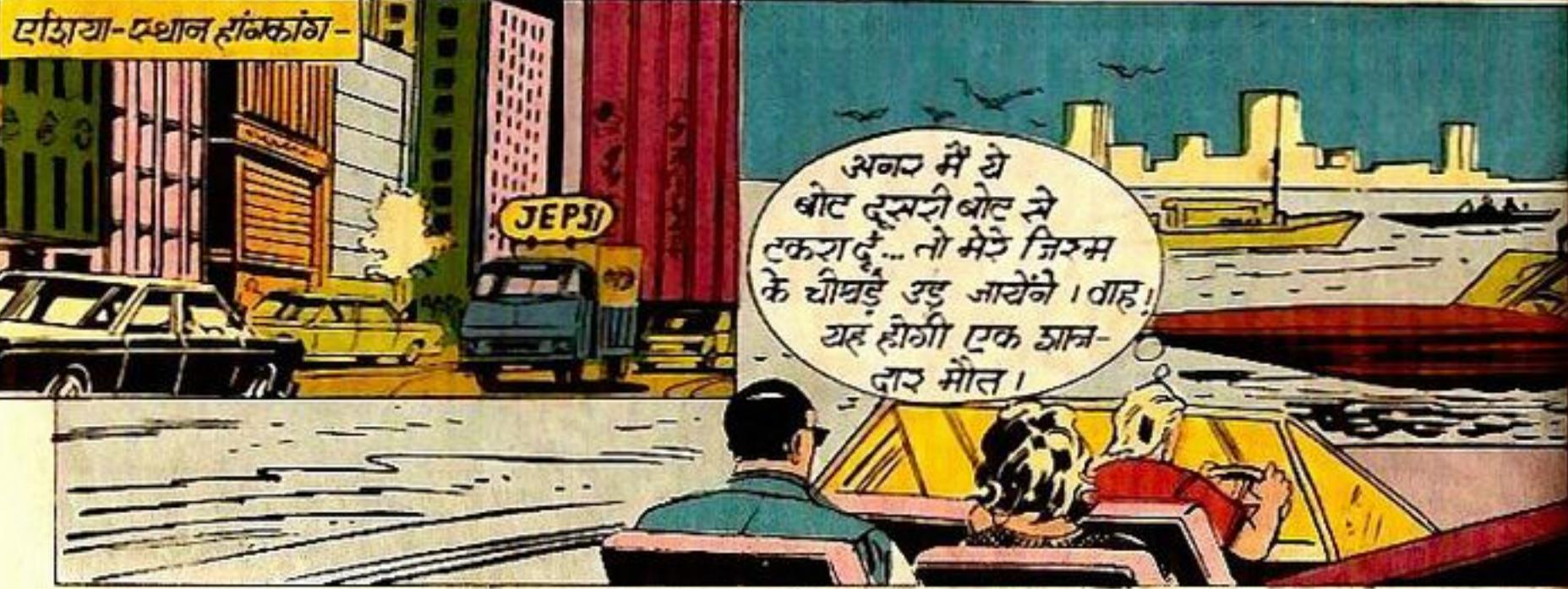
ओर छीत्वें निकल बड़े अन्य पर्यटकों के मुंह से -

बच्चे एफिल टॉवर से कूद गए हैं ।

बच्चोंद्वारा आत्महत्या ।



दार्शन-पथान हांबकांग -





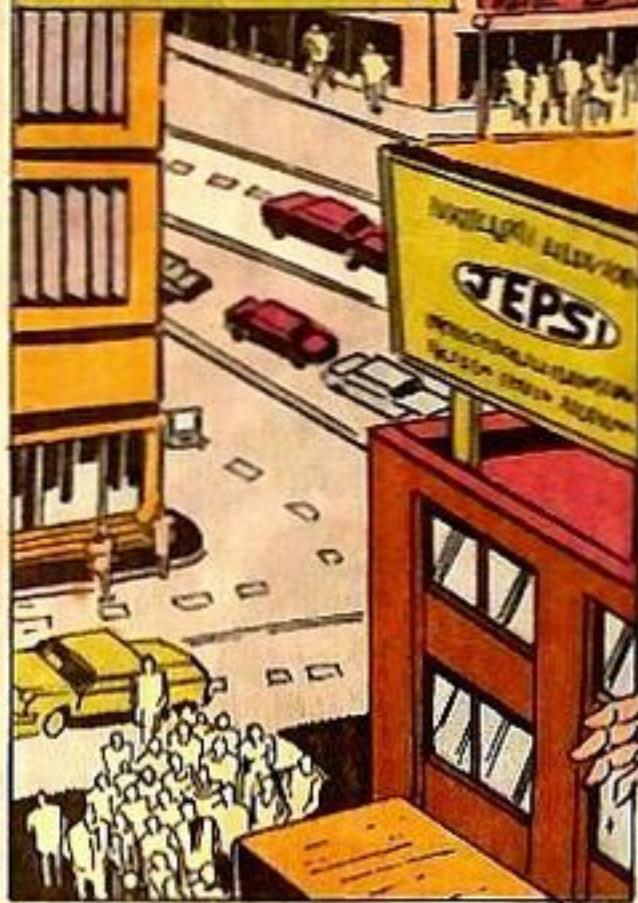
हंसने-हंसने खुद के मांस के लोथड़ों में बदल  
लिया था मौत के उस दीवाने ने।





## नागराज और पिरामिडों की रानी

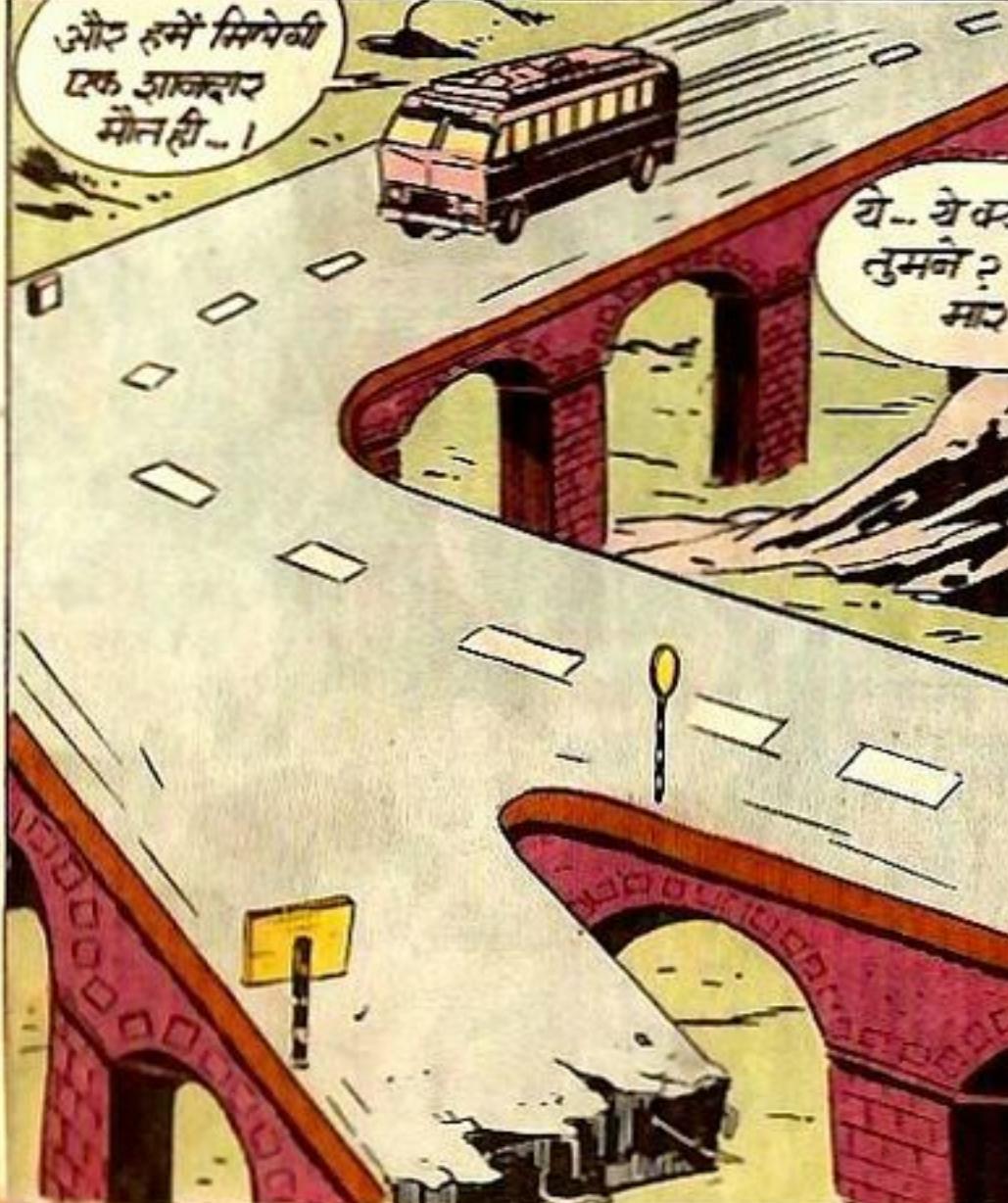
इटली के उत्तर में बसा (बीम हजार  
की कुप्र आवादी वासा) पिल्लव का शहर  
छोटा देश भाज-मैट्रिको !



होमी-फ्राइट परिवक स्कूप की वह बस छात्रस्थानों को लेकर  
अपना यंजामा का सफर  
तय कर रही थी...



ओर हमें मिलेगी  
एक शाकदार  
मौत ही-।

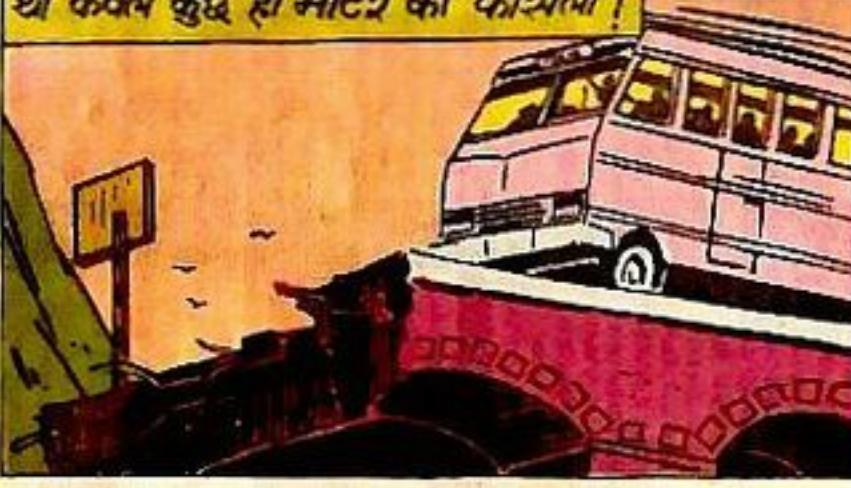


दस्त में मर्यादा-पुकार ! मौत के आतंक से जड़ हो गए वे अन्य मुक्त-मुआत्र, जिन्हें मौत की चाहत नहीं थी ।

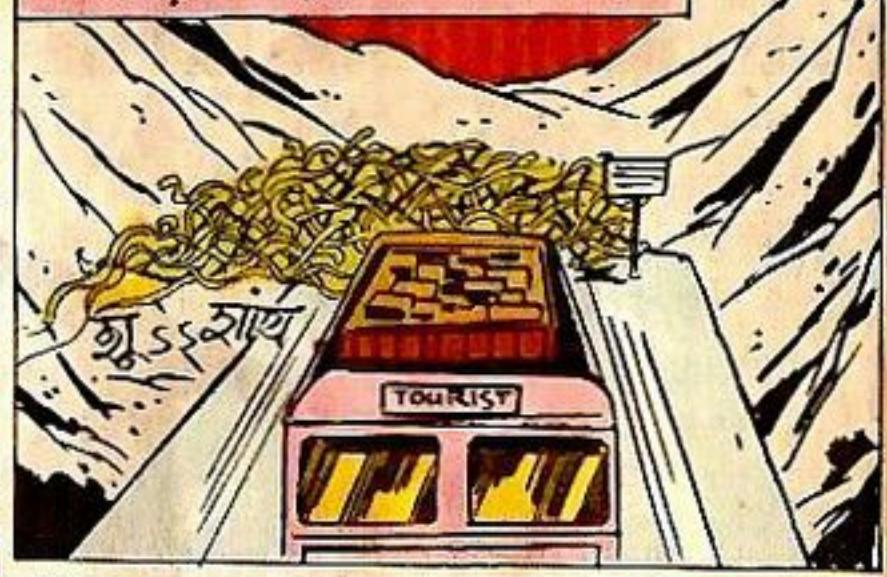




दूसरों सँडक पर तूफान रसी आति  
एकड़सी ही बिना ड्राइवर की बस जे-



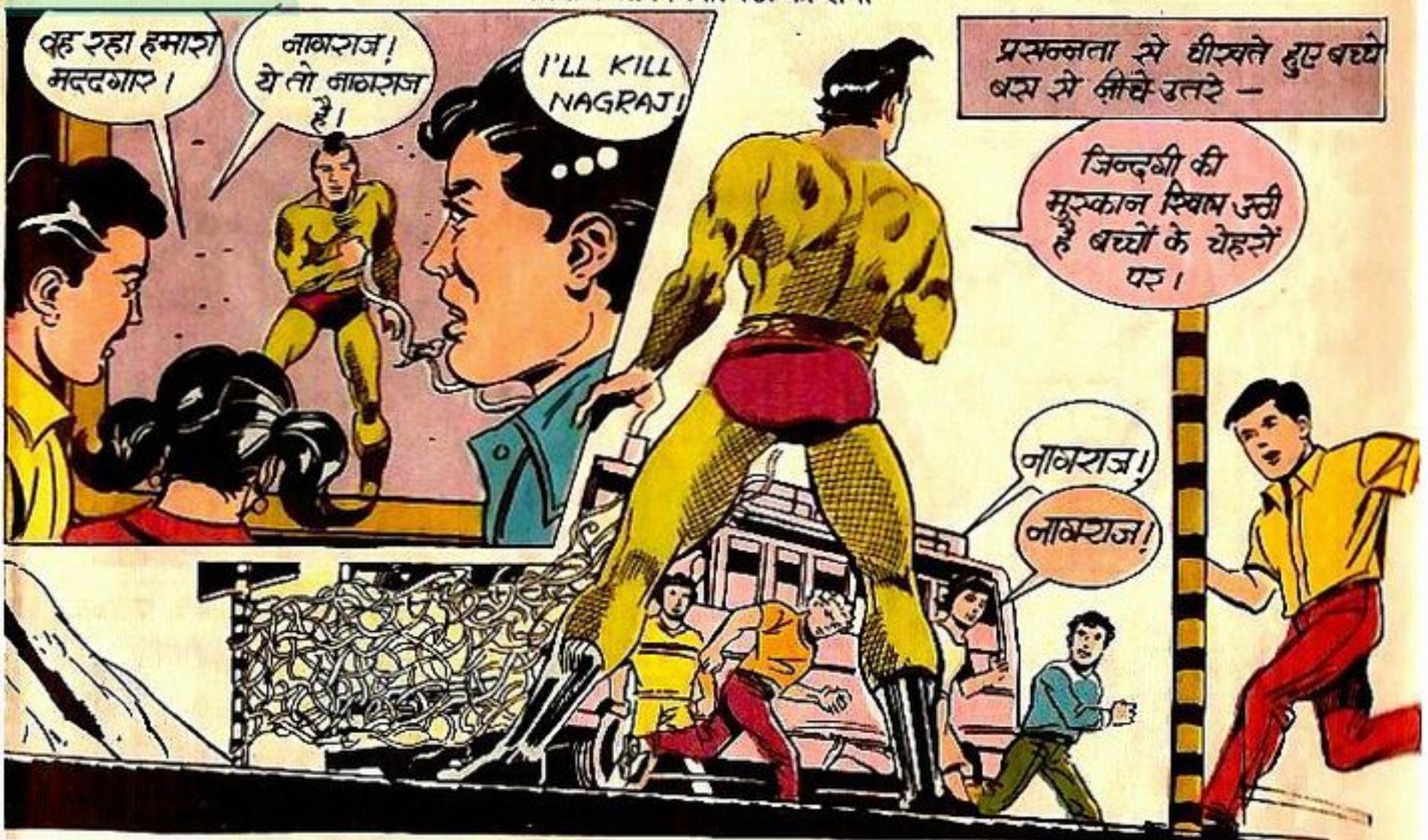
जिसे बढ़ने न दिया था नागरस्त्री ने -



नागरस्त्री, जिसका अर्थ था - नागराज की मौजूदधी

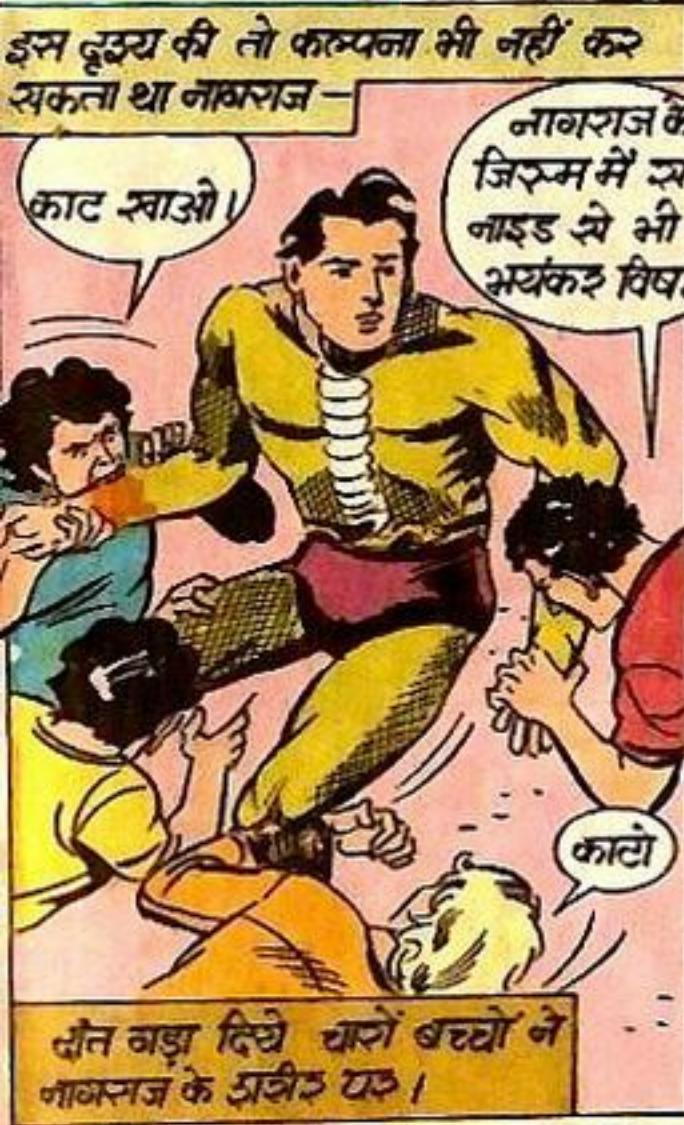


## नागराज और पिरामिडों की रानी

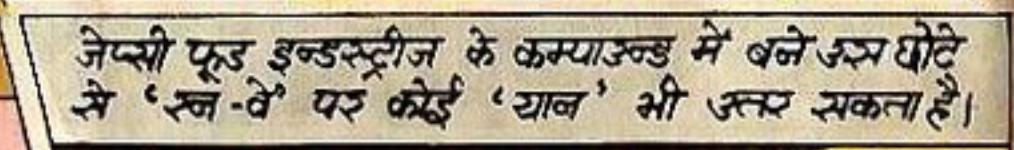
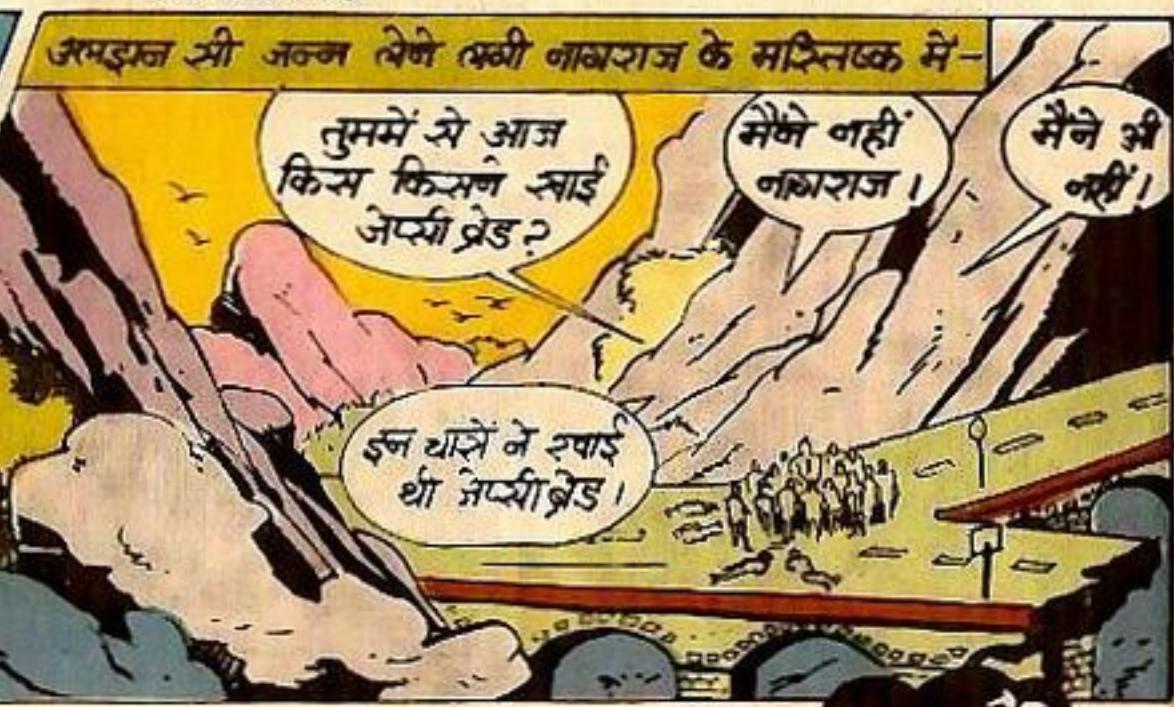




## नागराज और पिरामिडों की रानी



## राज कामिक्स



## नागराज और पिरामिडों की रानी

शूलोप का तख्ते स्वतःनाक बैंडगटर 'डॉन' था  
उस यान में -

'सर-डॉन' का  
स्वागत है !

कहो प्रांसिस्को !  
कैसे हो ?

सर डॉन और उसके यान के विषय में जानके लिये यहुः - 'नागराज और ताजमहल की घोटी'

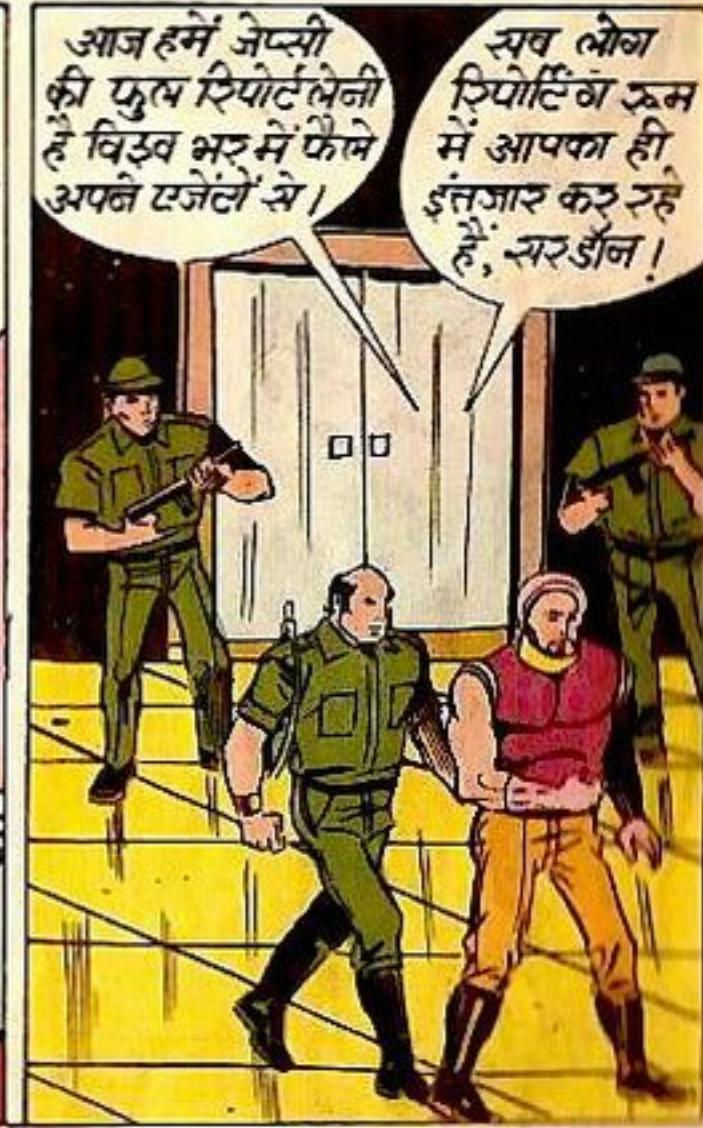
अच्छा हूं सर डॉन, लेकिन कमाल का है आपका ये यान। प्रकाश की गति से यलता है, यहां तक कि नडार तक इसके मामले में दोस्ता ला जाते हैं।

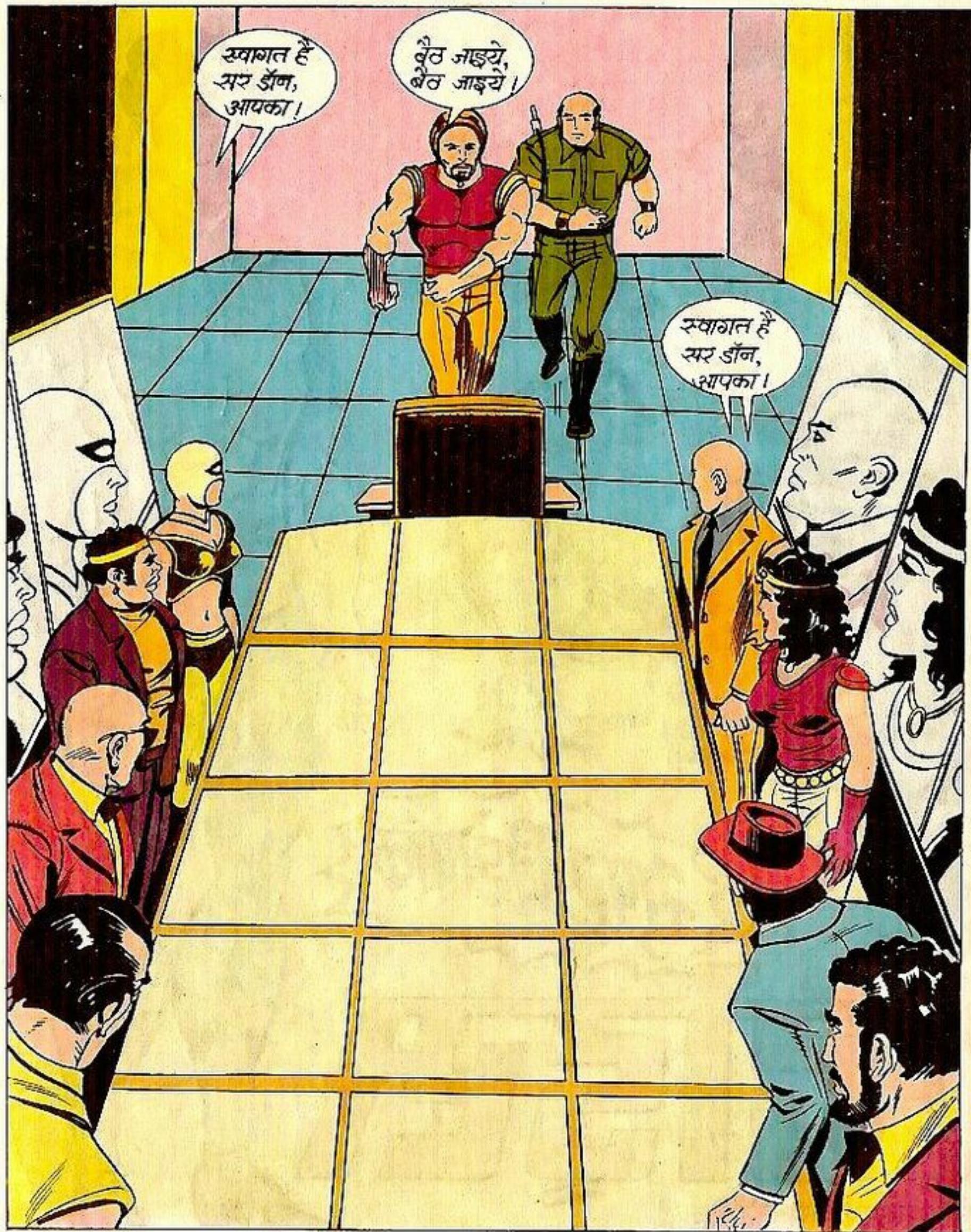
इसके बिजा हम  
अथवे हैं प्रांसिस्को! दुनिया  
भर में 'जेप्सी' के बाय नान-  
मिनो में कलती है ...

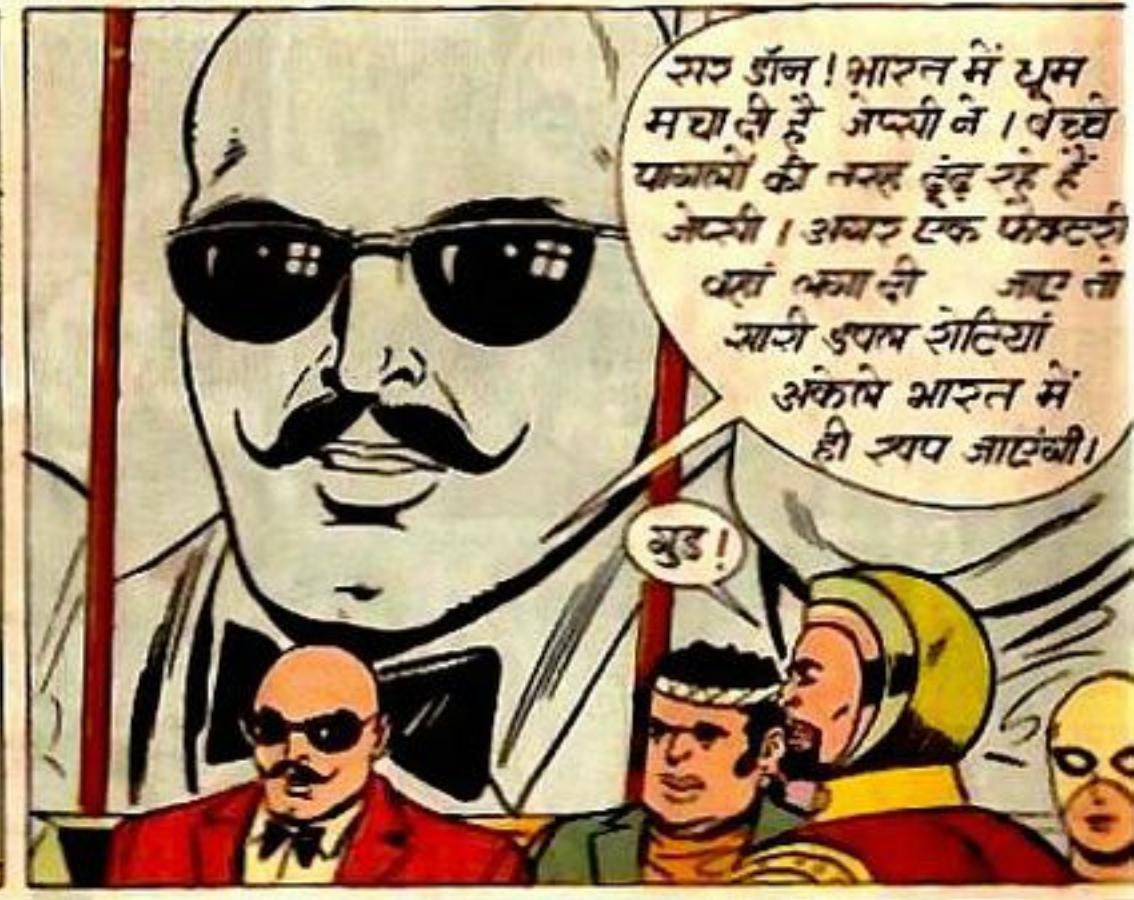
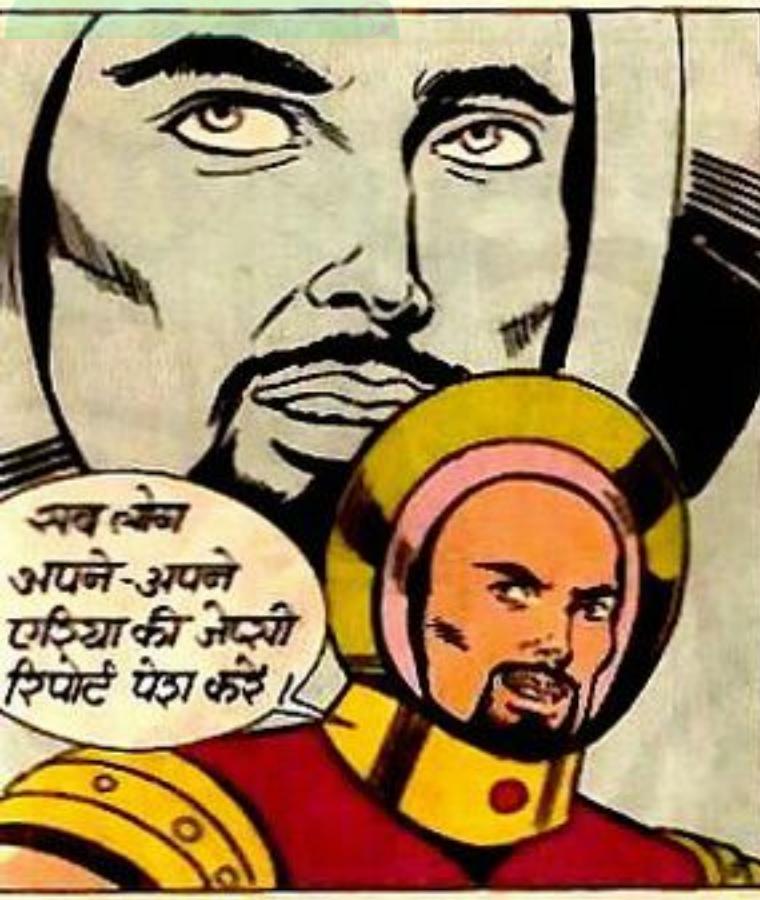
... जेप्सी की डिलीएटी  
के लिए हमें एक घण्टे  
में पूरे संसार का  
चक्कर भगाना पड़ रहा  
है। जोकि इस यान के  
बिजा मुश्किल ही  
नहीं अस्कभर है।

आज हमें जेप्सी  
की फुल रिपोर्ट लेनी  
है विद्व भर में कौमे  
अपने द्वेषों से।

सब लोग  
रिपोर्टिंग रूम  
में आपका ही  
इंतजार कर रहे  
हैं, सर डॉन!

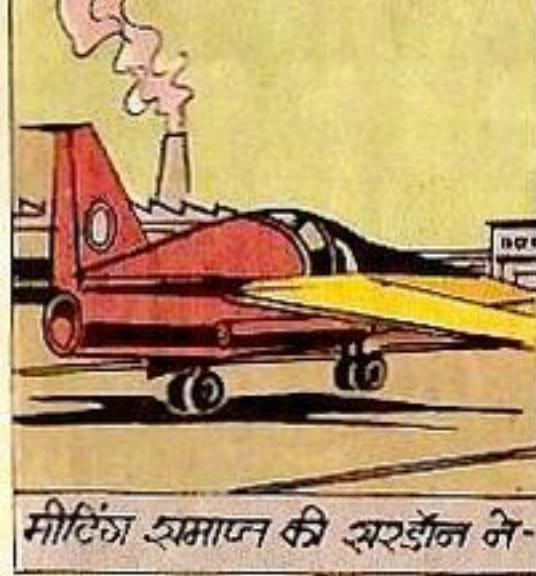




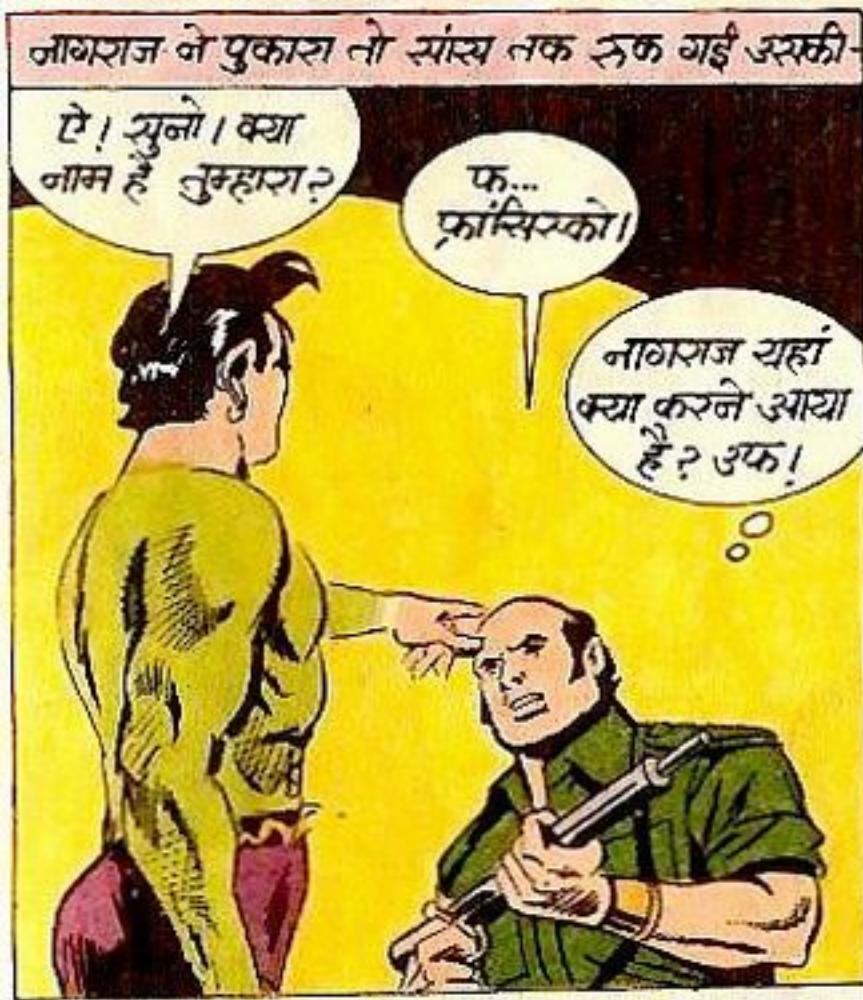


जवाब में  
सरडॉन ने  
भजाया टक्क  
विजयी  
अटटहास -

अबसे ही पत्त  
करें हो गई  
उम्मीद मुख्य  
मुला -



## नागराज और पिरामिडों की रानी



जावशाज की निवाह से द्विपाकर वह कलाई छी का  
एक बुज्ज बट्टन दबा दुका था ।



## राज कॉमिक्स

ओर बस ! यही यूक गया नाभरज !



यांत्रे नस्फ ऐ छज्ज पड़ी जावियां ही जोनियां -

आह ! यांस्ता !



भहसया हैफ्झोनेड -

पूरा इंतजाम है ! उफ !

बड़ास्म

उंतानों ने घेर मिगा नाभरज को -

हाहाहा नाभरज ! यहां आकर अपनी जोत दुष्ट जी हे तुमने !

मर डॉन को नाभरज का सिर उपहार स्वरूप देंगे !

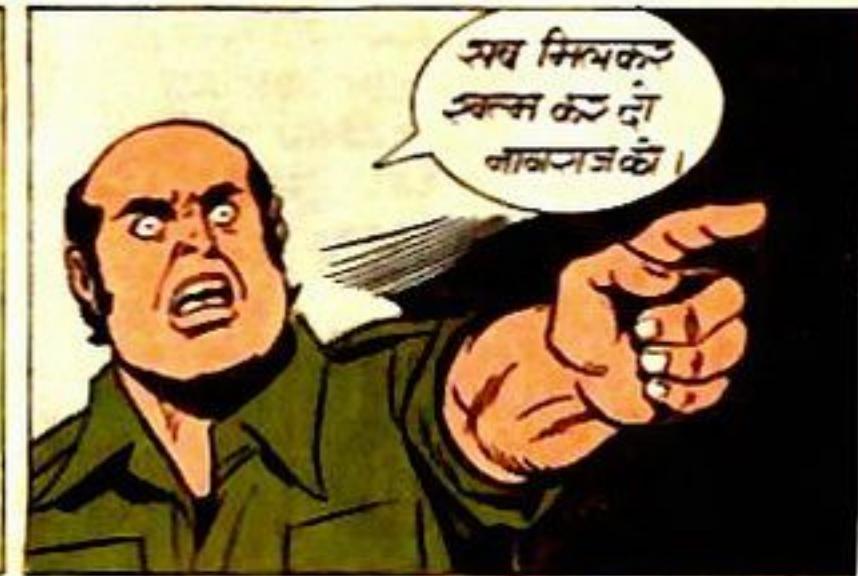


नाभरज ! वचा मंज वार ! अंगोंक मुझे दूसरा वर करने की जल्दी वहाँ पड़नी !

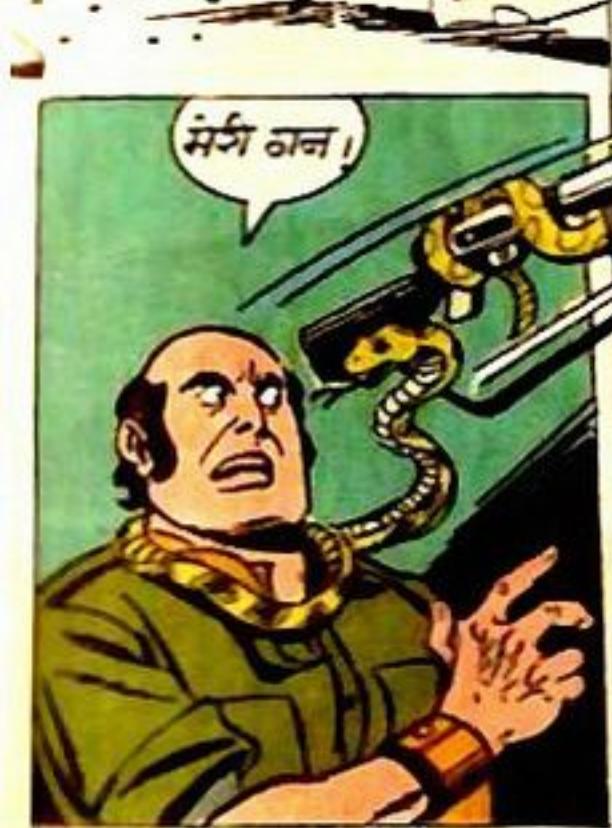


नाभरज का मिठ काटला तुम्हें वर्चों का जाप समझ मिला है क्या वर्चों ?





नाकरना जी जबदी में था -



## राज कॉमिक्स



एक बार फिल्स मंडला जहां था नागराज मिश्र  
के पिरामिडों की शर्की कहायर -

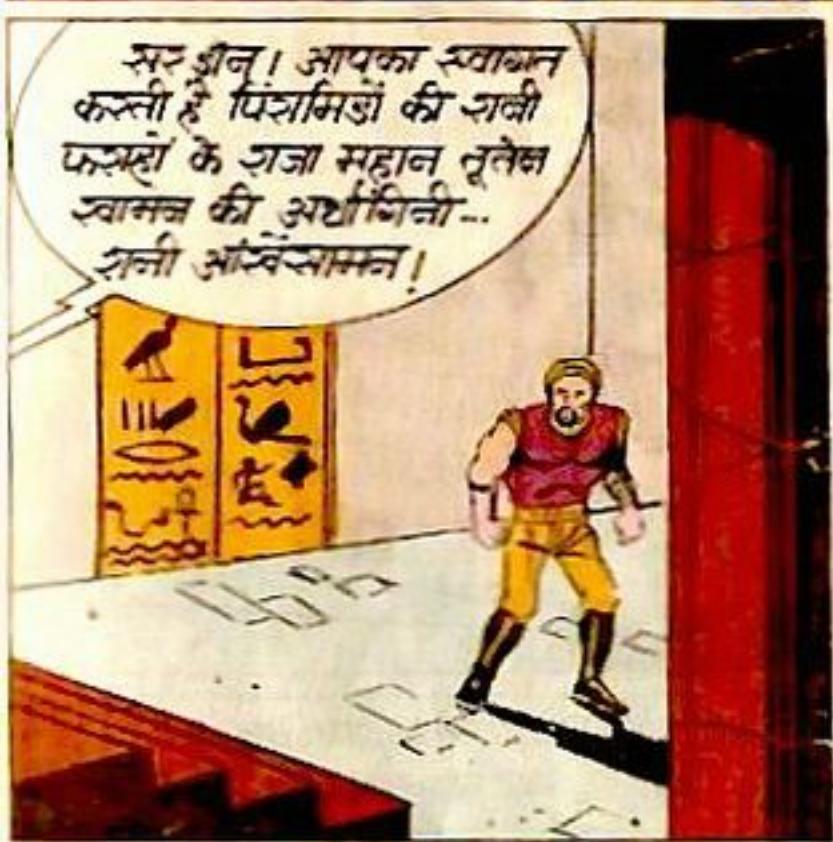
पिरामिडों की शर्की  
के हयं-हयं संवादिय  
है खोड़ांजी । नरडांज तक  
वही ले जायेगी मुझे ।



पिरामिडों के उस रहस्यमय संसार के बार्भ में -



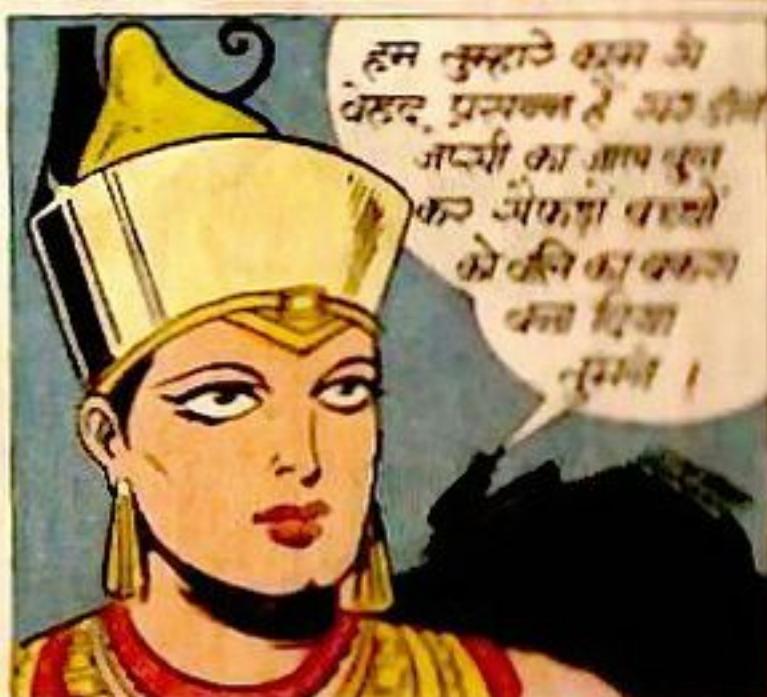
जो आज ५० इतापिल्सों से भी अधिक वर्षों से  
सम्पूर्ण विश्व के लिए रहस्य बने रहे हैं ।



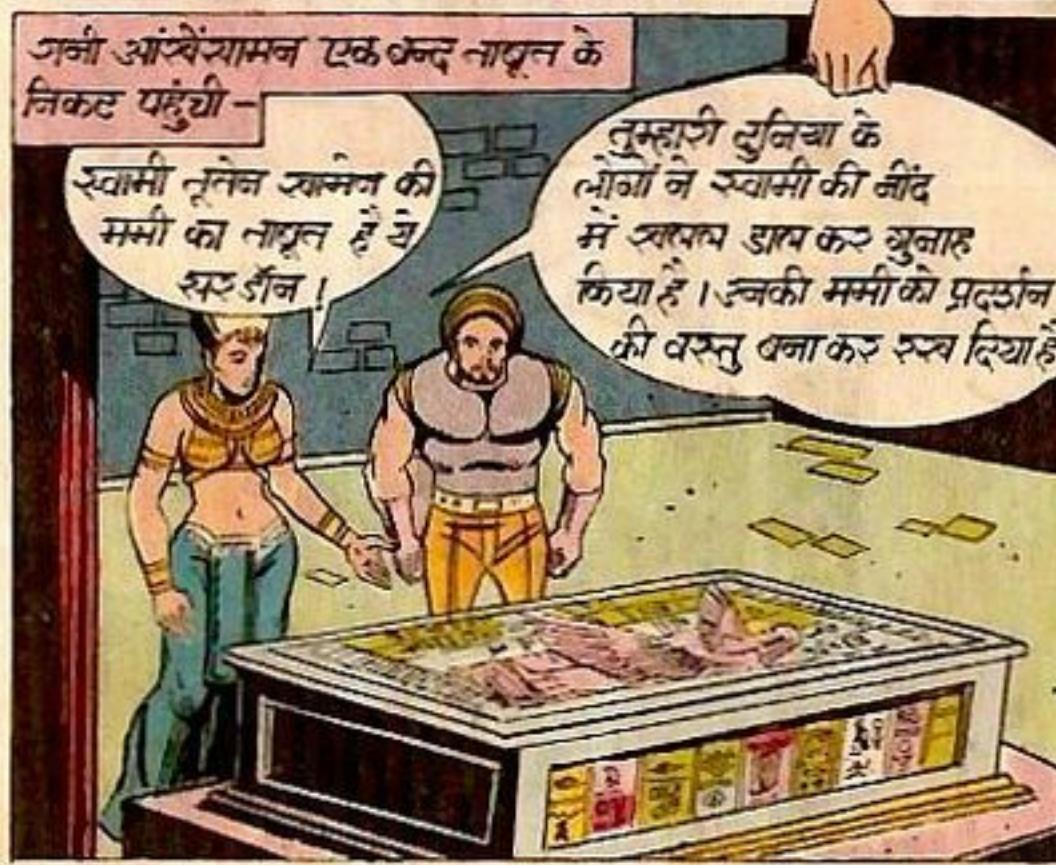
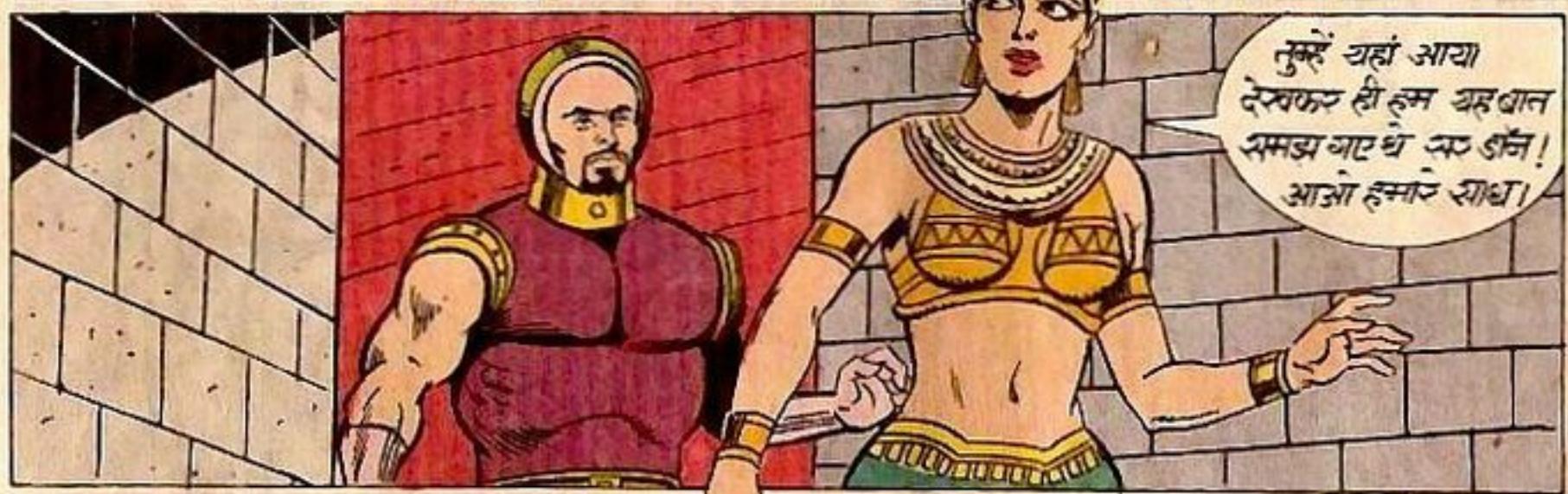
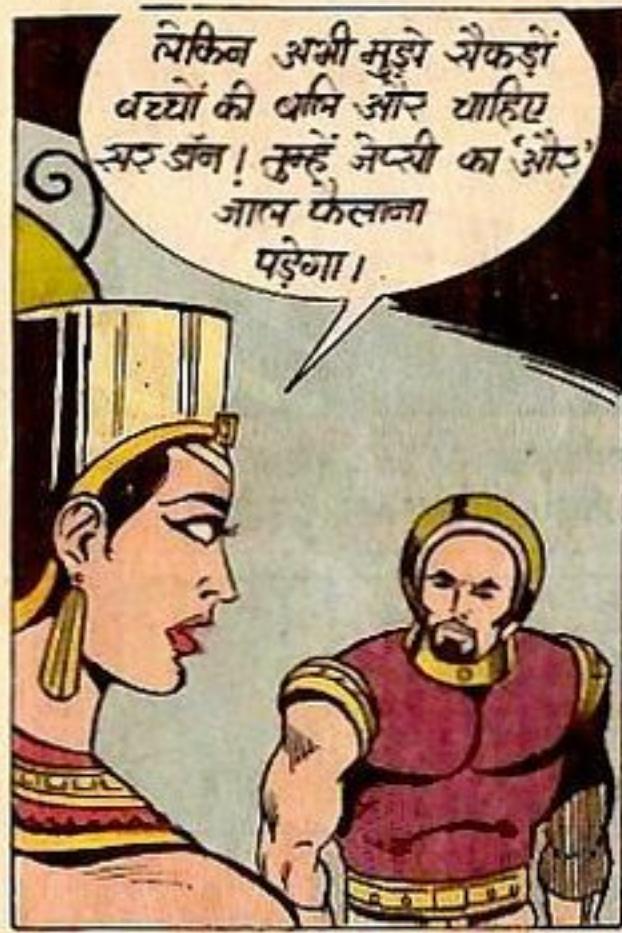
सरझीन् । आपका स्वावल्म  
कल्पी है पिरामिडों की जली  
फल्लों के जजा महान् तृतेज  
स्वामज की अर्थांगिनी--  
जली आंखें सामन् !

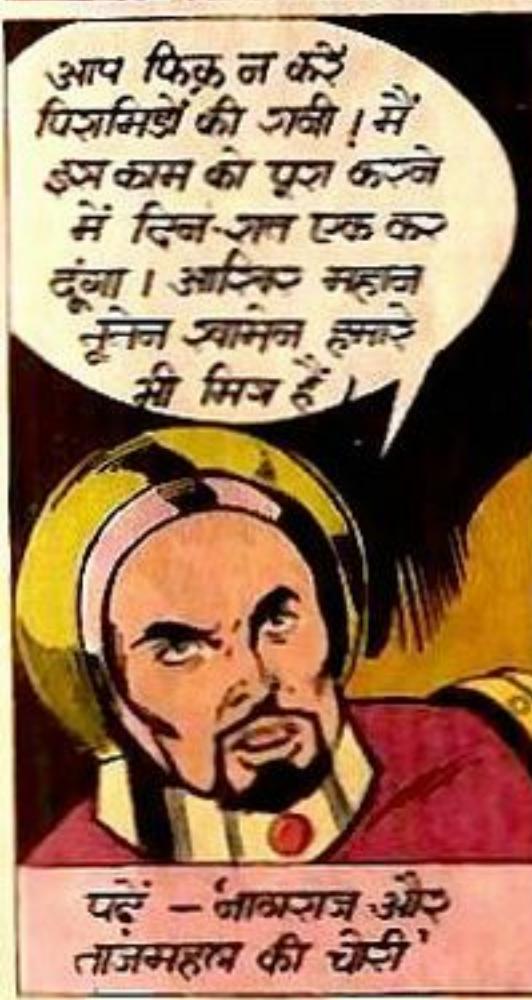


आज तक उसकी जागरूक ही जुली दी नह  
होन ने । आज परायी यह पिरामिडों की जली  
को देखकर भौंधकका ना हो जा द्धा -



## राज कामिक्स





लेकिन वह क्या? अस्म तो पहुंच गयी किसी और हथ में।

नाभराज के रहते तेस  
ये अपने कभी प्रशंसनी  
होगा पिण्डियों की  
जबी!

नाभराज!  
ये कहा से  
आ मरा।

**ताराराज!**



सरडौन! पिल्ले के  
शैकड़ों माझ्यांवध्योंके  
कल्प का जिसेदार  
तू भी है।

नाभराज! तुम  
अहां से बच कर  
नहीं जाऊंगे।

सरडौन ने अप्रत्याशित रूप से प्रहार किया  
नाभराज पर-



यह देस्य क्रोध से घायल हो उठी शोड़ंगी -

शोड़ंगी के जिस पर उसे शैकड़े  
कटि युभ गए सरडौन के जिसमें -

तूने नाभराज पर  
प्रहार किया दृष्ट  
सरडौन! शोड़ंगी का  
कहर। नुझे झेलना  
पड़ेगा अब।

दर्द कैसा  
भवता है  
सरडौन?





नागराज ने छोड़ी विषपुंकार जो घनधनों के  
मी साम की तरह फिरवालेवी है।



अठडंग को खोड़नी ने  
घनधनी कर दिया -

क्रैनाल ! तेरे जिस्त  
में उन्होंने बहु नहीं  
है जिस्त तू मन्त्रमें  
माला धुका है !







बज्जे जैसे अपना गला जहर उड़ाव देकी  
सोडावी रुदा लेती हीटो यह -



पित्रमिठों की जाली से ही लकड़ बढ़ यह -



पित्रमिठों की जाली से लकड़  
पेंडा नाड़ना थो -



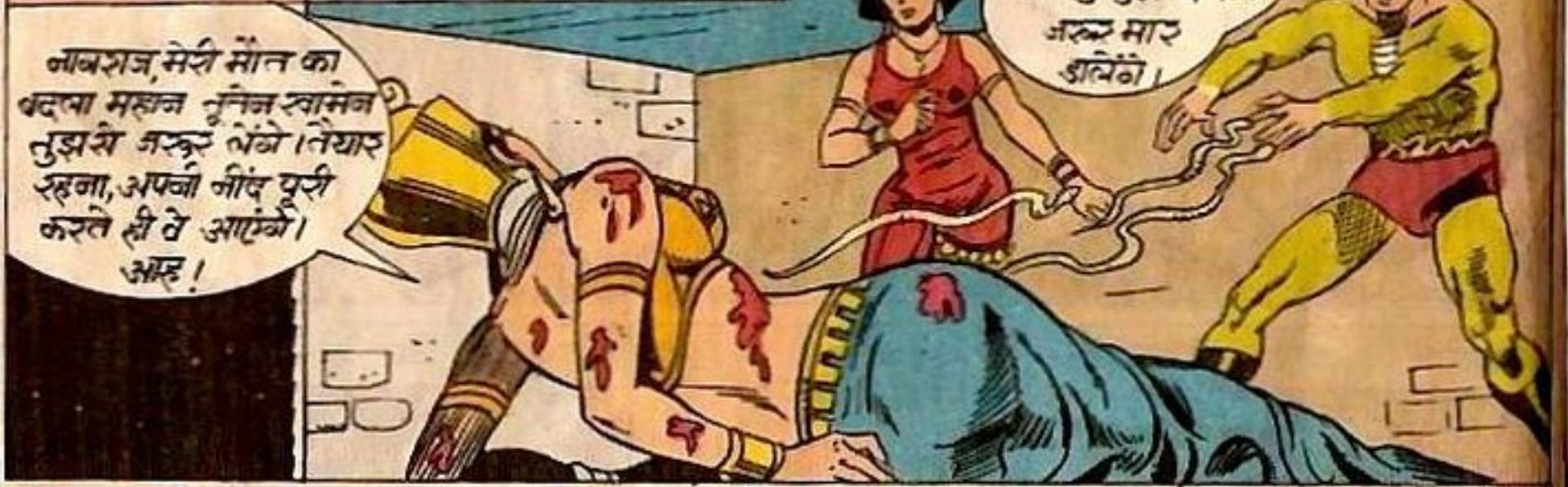
नागराज ने विष पूँछाव उड़ावही जल की  
यह -



तीक्ष्ण रिप के प्रभाव ने  
चींटों का जल्द दिया -



मरनी हुई आंखें स्वामी के सुंह से निकले अंतिम झब्द।



नागराज तुनेन स्वामी के ताकून की खांट बढ़ा -



इस प्रकार वित्त से जेप्सी का आतंक समाप्तिया  
नागराज ने और फिर निकाम पड़ा अपने अक्ल  
सफर पर।

